Question Paper Code : 1131

बी.ए. (प्रथम) परीक्षा, 2018

(रेगुलर)

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(मध्ययुगीन काव्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : **कुल पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इनमें से **प्रथम प्रश्न** अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त चार इकाईयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : [2x10=20]

   (क) भक्तिकाल का काल विभाजन कीजिए।

   (ख) निर्गुण भक्ति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

   (ग) पुष्टिमार्ग क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

   (घ) बिहारी का एक भक्तिपरक दोहा लिखते हुए उसका आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) रीतिमुक्त काव्यधारा के किसी एक कवि का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(च) धनानन्द की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

(छ) प्रमुख सूफी कवियों के नाम लिखिए।

(ज) 'साखी' क्या है ? उदाहरण देकर समझाइए।

(झ) तुलसी की भक्तिभावना पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ञ) भूषण की प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए।

इकाई-एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(क) पंडित बाद बंदते झूठा।
राम कह्याँ दुनियाँ गति पावै, षाँड कह्याँ मुख मीठा।।
पावक कह्याँ मूष जे दाझैं, जल कहि त्रिषा बुझाई।
भोजन कह्याँ भूष जे भाजै, तौ सब कोई तिरि जाई।।
नर कै साथि सुवा हरि बौलै, हरि परताप न जानै।
जो कबहूँ उड़ि जाइ जंगल में, बहुरि न सुखै आनै।।
साँची प्रीति बिषै माया सूँ, हरि भगतनि सूँ हासी।
कहै कबीर प्रेम नहीं उपज्यौ, बाँध्यौ जमपुरि जासी।।

(ख) अलख अरूप अबरन सो कर्ता। वह सब सों, सब ओहि सो बर्ता।।

परगट गुपुत सो सरबबिआपी। धरमी चीन्ह न चीन्है पापी।।

ना ओहि पूत न पिता न माता। न ओंहि कुँट बन कोई संग नाता।।

जना न काहु, न कोई ओहि जना। जहँ लगि सब ताकर सिरजना।।

वै सब कीन्ह जहाँ लगि कोई। वह नहिं कीन्ह काहु कर होई।।

हुत पहिले अरु अब है सोई। पुनि सो रहै रहै नहिं कोई।।

और जो होइ सो बाउर अंधा। दिन दुइ चारि मरै करि धंधा।।

जो चाहा सो कीन्हेसि, करै जो चाहे कीन्ह।

बरजनहार न कोई, सबै चाहि जिउ दीन्ह।।

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(ग) ऊधौ मन न भए दस बीस।

एक हुतौ सो गयो स्याम संग, को अवराधै ईस।

इन्द्री सिथिल भईं केसव बिनु, ज्यौं देंही बिनु सीस।

आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।

तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारैं, नन्द-नन्दन बिनु, और नहीं जगदीस।।

(घ) अन्तर्जामिहु ते बड़ बाहिर जामि है राम, जे नाम लिए तें।
धावत धेनु पेन्हाइ लवाइ ज्यों बालक बोलनि कान किए तें।
आपनि बूझि कहै तुलसी, कहिबै की न बावरि बात लिए तें।
पैज परे प्रहलादहु को प्रगटे प्रभु पाहन तें, न हिए तें।।

इकाई-दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(अ) आवत जात न जानियतु, तेजहिं तजि सियरानु।
धरहँ जँवाई लौं घट्यौ खरौ पूस-दिन-मानु।।
जहाँ जहाँ ठाढ़ौ लख्यौ स्यामु सुभग-सिरमौरू।
बिन हूँ उन छिनु गहि रहतु दृगनु अजौं वह ठौरू।।

(ब) जीति लई बसुधा सिगरी घमसान घमण्ड कै बीरन हू की।
भूषन भ्वैसिला छीनि लई जगती उमराउ अमीरन हू की।
साहितनै सिवराज की धाकनि छूटि गई धृति धीरन हू की।
मीरन के उर पीर बढ़ी यौं जु भूलि गई सुधि पीरन हू की।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(स) बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ।
कहत धतूरे सौ कनकु, गहनौ गढ़यौ न जाइ।।
तजि तीरथ, हरि-राधिका-तन-दुति करि अनुरागु।
जिहिं ब्रज-केलि-निकंज-मग पग-पग होतु प्रयागु।।

(द) अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानय बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनयौ झझकैं कपटी जे निसाँक नहीं।
घनआनँद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक तें दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाती पढ़े हौ कहौ मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।।

इकाई-तीन

6. 'तुलसी-काव्य में लोक मंगल की भावना' पर निबन्ध लिखिए।[7]

7. सूर के विरह-वर्णन के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। [7]

इकाई-चार

8. मीरा की भक्ति भावना की सोदाहरण विवेचना कीजिए। [7]

9. ''घनानंद प्रेम की पीर के कवि हैं।'' प्रमाणित कीजिए। [7]

----- x -----

Question Paper Code : 1132

बी.ए. (प्रथम) परीक्षा, 2018

(एक्जेम्पटेड)

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(मध्ययुगीन काव्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इनमें से **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त चार इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : [2x10=20]

   (क) कबीर की भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

   (ख) जायसी की किसी एक काव्य रचना का परिचय दीजिए।

   (ग) अवधी भाषा में रचित दो प्रमुख महाकाव्यों का नामोल्लेख कीजिए।

   (घ) 'भ्रमरगीत' का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ङ) अष्टछाप के कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

(च) 'रामचरितमानस' के काण्डों का क्रमानुसार नामोल्लेख कीजिए।

(छ) रीतिकालीन चार रीतिमुक्त कवियों के नाम बताइए।

(ज) बिहारी के दोहों की विशेषता बताइए।

(झ) रीतिकाल के वीर रस प्रधान काव्य रचना करने वाले कवि का नामोल्लेख करते हुए उनकी एक रचना का नाम लिखिए।

(ञ) घनानन्द किस राजा के दरबारी कवि थे तथा उनका सम्बन्ध रीतिकाल की किस विशेष धारा से था ?

इकाई-एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(क) हरि जननी मैं बालिक तेरा।
काहे न औगुण बकसहु मेरा।।
सुत अपराध करै दिन केते, जननी कै चित रहैं न तेते।।
कर गहि केस करे जौ घाता, तऊ न हेत उतारै माता।।
कहैं कबीर एक बुधि बिचारी, बालक दुखी दुखी महतारी।।

(ख) सखी एक तेइ खेल न जाना। भै अचेत मनिहार गवाँना।।
कवँल डार गहि भै बेकरारा। कासौं पुकारौ आपन हारा।।

कित खेलैं आइउँ एहि साथा। हार गँवाइ चलिउँ लेई साथा।।

घर पैठत पूछब यह हारू। कौन उतर पाउब पैसारू।।

नैन सीप आँसू तस भरे। जानौ मोति गिरहिं सब ढ़रे।

सखिन कहा बौरी कोकिला। कौन पानि जेहि पौन न मिला ?।।

हार गँवाइ सो ऐसे रोवा। हेरि हेराइ लेइ जौं खोवा।।

लागी सब मिलि हेरै, बूड़ि बूड़ि एक साथ।

कोई उठी मोती लेई, काहू घोंघा हाथ।।

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(ग) करी गोपाल की सब होइ।

जो अपनो पुरुषारथ मानत, अति झूठौ है सोइ।

साधन, मंत्र, जंत्र, उद्यम, बल, ये सब डारौ धोइ।।

जो कछु लिखि राखी नंदनंदन, मेटि सकै नहिं कोइ।

दुख-सुख, लाभ-अलाभ समुझि तुम, कतहिं मरतहौ रोइ।

सूरदास स्वामी करूनामय, स्याम-चरन मन पोइ।।

(घ) तू दयालु, दीन हौं, तू दानि, हौं भिखारी।

हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप-पुंज हारी।।

नाथ तू अनाथ को, अनाथ कौन मोसो ?

मो समान आरत नहिं, आरति हर तोसो।।

ब्रह्म तू, हौं जीव, तू है ठाकुर, हौं चेरो।
तात, मात, गुरु, सखा, तू सब विधि हितु मेरो।।
तोहि मोहिं नाते अनेक, मानिये जो भावै।
ज्यों त्यों तुलसी कृपालु ! चरन-सरन पावै।।

इकाई-दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(अ) गिरि तें ऊँचे रसिक-मन बूड़े जहाँ हजारु।
वहै सदा पसु-नरनु कौं प्रेम पयोधि पगारु।।
सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल।
इहिं बानक मो मन सदा बसौ, बिहारी लाल।।

(ब) जीति लई बसुधा सिगरी घमसान घमण्ड कै बीरन हू की।
भूषन भ्वैसिला छीनि लई जगती उमराउ अमीरन हू की।
साहितनै सिवराज की धाकनि छूटि गई धृति धीरन हू की।
मीरन के उर पीर बढ़ी यौं जु भूलि गई सुधि पीरन हू की।।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(स) कारो जल जमुना को काल को लगत आली,
छाई रह्यौ मानो यह विष कालीनाग को।
बैरनि भई है कारी कोयल निगोड़ी यह
तैसो ही भँवर कारो बासी बन बाग को।

भूषन भनत कारे कान्ह को वियोग हिये
सबै दुखदायी जो करैया अनुराग को।
कारो घन घेरि घेरि मार्‌यौ अब चाहत है
एते पर करति भरोसो कारे काग को।।

(द) रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै।
त्यौ इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहि आनि तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सुतौ वार्‌यो, सुजान सँकोच औ सोच सहारियै।
रोकी रहै न, दहै घनआनँद बावरी रीझ के हाथनि हारियै।।

इकाई-तीन

6. समाज सुधारक के रूप में कबीरदास का महत्त्व निरूपित कीजिए। [7]

7. गोस्वामी तुलसीदास की भक्तिभावना की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [7]

इकाई-चार

8. "बिहारी एक बहुज्ञ कवि हैं।" विश्लेषण कीजिए। [7]

9. घनानन्द की विरहानुभूति पर प्रकाश डालिए। [7]

----- x -----

Question Paper Code : 1133

बी.ए. (प्रथम) परीक्षा, 2018

[रेगुलर]

हिन्दी

[प्रश्नपत्र - द्वितीय]

(हिन्दी नाट्य साहित्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं. 1 अनिवार्य** है, इसके अलावा, चारों इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु-उत्तर दीजिए : [10x2=20]

   (क) प्रसाद के ऐतिहासिक नाटकों का उल्लेख कीजिए।

   (ख) एकांकी के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

   (ग) 'संकलनत्रय' का आशय स्पष्ट कीजिए।

   (घ) 'ध्रुवस्वामिनी आधुनिक स्वाभिमानी स्त्री का प्रतिनिधित्व करती है'- इस पर अपना मत स्पष्ट कीजिए।

(ङ) नाटक में अभिनय का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

(च) 'मंदाकिनी' की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(छ) 'ताँबे के कीड़े' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ज) जीनत-उन्निसा बेगम के कतिपय चारित्रिक गुणों का उल्लेख कीजिए।

(झ) एकांकी और नाटक में क्या समानताएं होती हैं ? प्रकाश डालिए।

(ञ) डॉ. रामकुमार वर्मा की चार एकांकियों का नामोल्लेख कीजिए।

इकाई-I

2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :[4x2=8]

(क) कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन। कितने संतोष से भरा था। नियति ने अज्ञात भाव से मानों लू से तपी हुई वसुधा को क्षितिज के निर्जन से सायंकालीन शीतल आकाश से मिला दिया हो। जिस वायुविहीन प्रदेश में उखड़ी हुई साँसों पर बंधन हो - अर्गला हो, वहाँ रहते-रहते यह जीवन असहय हो गया था। तो भी मरूँगी नहीं।

(ख) जिस मर्यादा के लिए, जिस महत्त्व को स्थिर रखने के लिए, मैंने राजदण्ड ग्रहण न करके अपना मिला हुआ

अधिकार छोड़ दिया, उसका यह अपमान! मेरे जीवित रहते आर्य समुद्रगुप्त के स्वर्गीय गर्व को इस तरह पददलित न होना पड़ेगा।

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :[4x2=8]

(ग) राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं है। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्वमानव के साथ व्यापक सम्बन्ध है। राजनीति की साधारण छलनाओं से सफलता प्राप्त करके क्षण भर के लिए तुम अपने को चतुर समझ लेने की भूल कर सकते हो परन्तु इस भीषण संसार में एक प्रेम करने वाले हृदय को खो देना सबसे बड़ी हानि है।

(घ) रानी तुम भी स्त्री हो। क्या स्त्री की व्यथा न समझोगी ? आज तुम्हारी विजय का अहंकार तुम्हारे शाश्वत स्त्रीत्व को ढँक ले, किन्तु सबके जीवन में एक बार प्रेम की दीपावली जलती है। जली होगी अवश्य! तुम्हारे भी जीवन में वह आलोक का महोत्सव आया होगा, जिसमें हृदय हृदय को पहचानने का प्रयत्न करता है, उदार बनता है और सर्वस्व दान करने का उत्साह रखता है।

इकाई–II

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :[4x2=8]

(अ) हमारी आँखों ने खुदा का नूर नहीं देखा.... जिस्म से

गरमी निकल गई है, अब कोयले का ढेर बाकी है...। हाथ-पैर सूखे दरख्त की शाखों की तरह सख्त हो रहे हैं और कलेजे पर मायूसी की चट्टान रखी हुई है.... खुदा से दूर हूँ.....और दिल में कोई सुकून नहीं है.. ... हमारे लिए कौन सी सजा होगी..... यह सोचा भी नहीं जा सकता.....खुदा की रहमत पर पूरा यक़ीन है, लेकिन अपने गुनाहों को कहाँ ले जाएँ।

(ब) किसने-किसने अपनी आत्मा में जीवन के आदि मुहूर्त को सिसकते-सुबकते नहीं सुना ? अकेले और बेसरो-सामान हम भूले हुए रास्ते खोजते हैं। हम अपना खोया हुआ भाई तलाश करते रहते हैं जो बचपन में घर छोड़कर चला गया है। एक पत्थर, एक पत्ती, एक शब्द....जिसके पीछे एक अनजाई और अनहोनी शुरूआत है।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :[4x2=8]

(स) ये जो महाशय मेरे खरीदार बनकर आए हैं, इनसे ज़रा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता ? क्या उनको चोट नहीं लगती ? क्या वे बस भेड़-बकरियाँ हैं, जिन्हें कसाई अच्छी तरह देखभाल कर खरीदते हैं ?

(द) अफसर तो सरकार की प्रेस्टिज-प्रकाश का बल्ब है जो अपनी पावर के अनुसार चमकता है। कोई पाँच का, कोई दस का और कोई पच्चीस का। यदि उस बल्ब पर इकन्नी रखकर तार से जोड़ दिया जाय तो दूर तक

अंधेरा फैल जाता है। बिजली फ्यूज हो जाती है ? इसी तरह रूपये का जोड़ दूर तक प्रेस्टिज के प्रकाश का धुँधला कर देता है। चाहिए रूपये को वहाँ जोड़ने की योग्यता।

इकाई-III

6. ध्रुवस्वामिनी नाटक के नायक का चरित्रचित्रण कीजिए। [7]

7. एकांकीकला की दृष्टि से 'पर्दे के पीछे' एकांकी की समीक्षा कीजिए। [7]

इकाई-IV

8. नाट्यसाहित्य के विकास में जयशंकर प्रसाद का योगदान निरूपित कीजिए। [7]

9. डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल की एकांकी कला पर प्रकाश डालिए।[7]

----- x -----

Question Paper Code : 1134

बी.ए. (प्रथम वर्ष) परीक्षा, 2018

[Exempted]

हिन्दी

[द्वितीय प्रश्नपत्र]

(हिन्दी नाटक तथा निबन्ध साहित्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं. 1 अनिवार्य** है, प्रत्येक चारों इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु-उत्तर दीजिए : [2x10=20]

   (क) निबन्ध की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

   (ख) निबन्ध की उपयुक्त परिभाषा लिखिए।

   (ग) नाटक का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

   (घ) डॉ. विद्या निवास मिश्र की निबन्ध-कला पर प्रकाश डालिए।

(ङ) द्विवेदी युगीन प्रमुख निबन्धकारों के नाम लिखिए।

(च) जगदीश चन्द्र माथुर की एकांकी-कला पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

(छ) चन्द्रगुप्त के अन्तर्द्वन्द्व-ग्रसित होने के क्या कारण हैं ?

(ज) कोमा के चरित्र की कतियप विशेषताएँ बतलाइए।

(झ) 'संकलन-त्रय' को स्पष्ट कीजिए।

(ञ) डॉ. लक्ष्मी नारायण लाल की एकांकी 'मम्मी-ठकुराइन' की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

इकाई-I

2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :[4x2=8]

(क) मेरे हृदय के गहन अन्तस्थल से निकली हुई यह मूक स्वीकृति आज बोल रही है। मैं पुरूष हूँ ? नहीं, मैं अपनी आँखों से अपना वैभव और अधिकार दूसरों को अन्याय से छीनते देख रहा हूँ और मेरी वाग्दत्ता पत्नी मेरे ही अनुत्साह से आज मेरी नहीं रही। नहीं, यह शील का कपट, मोह और प्रवञ्चना है। मैं जो हूँ, वही तो नहीं स्पष्ट रूप से प्रकट कर सका। यह कैसी विडम्बना है।

(ख) बादलों ने सूरज की हत्या कर दी, सूरज मर गया। मैं

7. हिन्दी एकांकी के विकास में डॉ. राम कुमार वर्मा के योगदान पर अपने विचार प्रकट कीजिए। [7]

इकाई–IV

8. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध-शैली की विशेषताएँ लिखिए। [7]

9. ललित निबन्ध की विशेषताओं को दृष्टि में रखकर 'तुम चन्दन हम पानी' का मूल्यांकन कीजिए। [7]

----- x -----

दूसरे का बोझ ढोता हूँ। मेरे रिक्शे में आइने लगे हैं। मैं इन सब आइनों में अपना मुँह देखता हूँ। सूरज नहीं रहा। अब धरती पर आइनों का शासन होगा। आइने अब उगने और न उगने वाले बीज अलग-अलग कर देंगे।

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। [4x2=8]

(ग) जब तुम आ गये हो तो थोड़ा ठहरूँगी। यह तीसरी छुरी इस अतृप्त हृदय में, विकासोन्मुख कुसुम में विषैले कीट के डंक की तरह चुभा दूँ या नहीं, इस पर विचार करूँगी। यदि नहीं तो मेरी दुर्दशा का पुरस्कार क्या कुछ और है ? हाँ, जीवन के लिए कृतज्ञ, उपकृत और आभारी होकर किसी के अभिमानपूर्ण आत्म-विज्ञापन का भार ढोती रहूँ- यही क्या विधाता का निष्ठुर विधान है?

(घ) इसमें जानने की क्या बात है। यह भी एक वेग है। मस्तिष्क हृदय से मिला हुआ प्राणों का वेग जिसमें रस की अति मात्रा है। जैसे तुम्हें देखकर हृदय में एक प्रकार की पुलक, एक प्रकार की प्रसन्नता होती है। उसी प्रकार प्रकृति का सौन्दर्य, उसका विलास देखकर मन में एक प्रकार का आह्लाद होता है। उस आह्लाद को, उस सौन्दर्य को बँधे शब्द में उतार देने का नाम 'कविता' है।

इकाई-II

4. निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :[4x2=8]

(अ) कोई बात ऐसी है जिसके प्रकट हो जाने के कारण हम दूसरों को अच्छे नहीं लगते हैं यह जानकर अपने को, और प्रकट होने पर अच्छे नहीं लगेंगे, यह समझकर उस बात को, थोड़े-बहुत यत्न से उनके दृष्टिपथ से दूर करके भी जब हम समय पर अपना बचाव कर सकते हैं, यही नहीं, अपने व्यवधान-कौशल पर विश्वास कर सदा बचते चले जाने की आशा तक -चाहे वह झूठी ही क्यों न हो- कर सकते हैं, तब हमारा केवल यह जानना या समझना सदा सुधार की इच्छा ही उत्पन्न करेगा, कैसे कहा जा सकता है ?

(ब) 'मन-मारण' से शास्त्रों का अर्थ उसकी बुरी प्रवृत्ति को रोकना हो सकता है। पर उसे बुरे मार्ग पर जाने से रोकने के पहले, उसके लिए ऐसा भला मार्ग भी तो खुला रहना चाहिए जिस पर वह आनन्द से चल सके, जहाँ उसको कोड़ों की मार का डर न हो, दुनियाँ में सब कुछ भुलाकर जिस पर चलने ही में वह रम जाय ? संसार में स्त्री, धन, माया इत्यादि का त्याग देना यदि आवश्यक है तो साधन-पथ में भी तो उनकी जगह लेने के लिए कोई वस्तु होनी चाहिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(स) हिन्दी और उर्दू में कुछ शब्द अन्य भाषाओं के भी आ गये हैं। वे यदि बोलचाल के हैं तो उनका प्रयोग संदोष नहीं माना जा सकता। उन्हें त्याज्य नहीं समझना चाहिए। कोई-कोई ऐसे शब्दों को उनके मूल-रूप में लिखना ही सही समझते हैं। पर यह उनकी भूल है। जब अन्य भाषा का कोई शब्द किसी और भाषा में जाता है, तब वह उसी भाषा का हो जाता है। अतएव उसे उसकी मूल भाषा के रूप में लिखते जाना भाषाविज्ञान के नियमों के खिलाफ है।

(द) जिन लोगों ने मनुष्यमात्र को नमो नारायणाय कहकर प्रणाम करने की परम्परा चलायी, वे मनुष्य की अन्तर्निहित शक्ति के सबसे बड़े द्रष्टा थे, वे मनुष्य के विस्तारशील रूप को आगान्हित करना जानते थे, इसीलिए सामान्य से सामान्य जन को देखकर वे यही कहते थे, नारायण को नमस्कार है, तुम्हारे अन्दर जो विश्व-भावन तत्व है, उसे नमस्कार करता हूँ ताकि वह तत्त्व तुम्हारी क्षुद्रता और संकीर्णता के बहिरावरण को फोड़कर बाहर आये।

इकाई-III

6. 'ध्रुवस्वामिनी' के आधार पर प्रसाद जी की नाट्यकला पर प्रकाश डालिए। [7]

Question Paper Code : 1135

बी.ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2018

(रेगुलर)

हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है तथा शेष इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : [2x10=20]

   (क) 'आधुनिकता' का अर्थ स्पष्ट करते हुए, हिन्दी के दो आधुनिक रचनाकारों के नाम लिखिए।

   (ख) मैथिलीशरण गुप्त की स्त्री-पात्र केन्द्रित दो रचनाओं के नाम लिखिए।

   (ग) 'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(घ) जयशंकर प्रसाद की कविता 'बढ़े चलो' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ङ) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की प्रमुख लम्बी कविताओं का नामोल्लेख कीजिए।

(च) 'मुक्त छंद' से क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(छ) पंत के प्रकृति चित्रण की कतिपय विशेषताएँ लिखिए।

(ज) 'प्रगतिशील' कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

(झ) 'वीरांगना' कविता का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ञ) केदारनाथ अग्रवाल की काव्य-संवेदना पर संक्षेप में विचार कीजिए।

इकाई-एक

2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(क) काल की रुके न चाहे चाल,
मिलन से बड़ा विरह का काल;
वहाँ लय, यहाँ प्रलय सुविशाल !
दृष्टि मैं दर्शनार्थ धोती !
तुम्हारे हँसने में हैं फूल, हमारे रोने में मोती !

(ख) दुःख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात,

एक परदा यह झीना नील छिपाये है जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत् की ज्वालाओं का मूल
ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल।

3. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(ग) असंख्य कीर्ति रश्मियाँ,
विकीर्ण दिव्य दाह-सी।
सपूत मातृभूमि के -
रुको न शूर साहसी !
अराति सैन्य सिन्धु में सुवाड़वाग्नि से जलो।
प्रवीर हो जयी बनो - बढ़े चलो, बढ़े चलो।

(घ) अरे वर्ष के हर्ष !
बरस तू बरस-बरस रसधार !
पार ले चल तू मुझको,
बहा, दिखा मुझको भी निज
गर्जन-भैरव-संसार !

इकाई-दो

4. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(अ) गा, कोकिल, बरसा पावक-कण !
नष्ट-भ्रष्ट हो जीर्ण-पुरातन,

ध्वंश-भ्रंश जग के जड़ बन्धन !
पावक-पग धर आवे नूतन,
हो पल्लवित नवल मानवपन !

(ब) क्या अमरों का लोक मिलेगा
तेरी करुणा का उपहार ?
रहने दो हे देव ! अरे
यह मेरा मिटने का अधिकार !

5. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : [4x2=8]

(स) यह मनुज, जिसकी शिखा उछाम;
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम।
यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार;
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।

(द) मैं अहिंसा के निहत्थे हाथियों को,
पीठ पर बम बोझ लादे देखता हूँ।
देव कुल के किन्नरों को,
मंत्रियों का साज साजे,
देश की जन-शक्तियों का,
खून पीते देखता हूँ
क्रांति गाते देखता हूँ !!

इकाई-तीन

6. 'मैथिलीशरण गुप्त का काव्य भारतीय संस्कृति एवं उसके गौरवपूर्ण इतिहास की अमर गाथा है।' इस कथन के आधार पर गुप्तजी के काव्य की समीक्षा कीजिए। [7]

7. छायावादी काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [7]

इकाई-चार

8. महादेवी वर्मा के काव्य के वस्तु एवं शिल्प की सोदाहरण विवेचना कीजिए। [7]

9. ''दिनकर की कविताओं में ओज गुण का प्राधान्य है।'' इस कथन की प्रामाणिकता सिद्ध कीजिए। [7]

----- x -----

Question Paper Code : 1136

बी.ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2018

(रेगुलर)

हिन्दी

[प्रश्नपत्र द्वितीय]

(हिन्दी कथा साहित्य)

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 50**

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अलावा, शेष चारों इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न किया जाना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: [2x10=20]

   (क) 'दिव्या' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये।

   (ख) मारिश के चरित्र का संक्षेप में चित्रण कीजिए।

   (ग) 'दिव्या' उपन्यास के आधार पर रुद्रधीर के चरित्र की विशेषताएँ बताइये।

   (घ) 'दिव्या' उपन्यास की पात्र-योजना पर प्रकाश डालिये।

(ङ) 'दिव्या' उपन्यास में प्रस्तुत ऐतिहासिक तथ्यों का संक्षेप में उल्लेख कीजिये।

(च) 'सभ्यता का रहस्य' कहानी का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

(छ) आंचलिक कहानी की विशेषताएँ बताइये।

(ज) 'कलाकार की आत्महत्या' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(झ) 'अमृतसर आ गया है' कहानी की पात्रयोजना पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

(ञ) नई कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

इकाई-।

2. निम्नलिखित गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: [4x2=8]

(क) निद्रा भंग होने पर छाया ने देखा घाम फैल चुका था। विलम्ब तक सोने की लज्जा से वह वस्त्रों को संभाल कर उठ खड़ी हुई। हेमन्त के तुहिन आवृत सूर्य की सुखद रंगीन किरणें गवाक्ष से आकर दिव्या के पीत मुख पर पड़ रही थीं। वह गाढ़ निद्रा में थी। उसका श्वास सम गति से चल रहा था। स्वामिनी की निद्रा भंग होने की आशंका से आहट न कर छाया कक्ष से निकली। स्वामिनी की गत रात्रि की वेदना का वृत्तान्त माँ धात्री से कहने वह अन्तःपुर

के उद्यान के उस पार आर्य धृति शर्मा के कक्ष की ओर गयी।

(ख) उस रात्रि की अनुभूतियों से रोमांचित हो जाती। अपने अवसान को विजय में परिणत हो गया देख कर वह सफलता और अभिमान से पुलकित हो जाती। अपने शरीर में पृथुसेन की उपस्थिति अनुभव कर गर्व और उल्लास से गद्‌गद होकर उसका हृदय उछलने लगता। पूर्णता की सीमा पर पहुँचकर वह उल्लास व्याकुलता में परिवर्तित हो जाता कि अब आर्य का तुरन्त लौट आना आवश्यक है। उनका अधिक विलम्ब से लौटना चिन्ता का कारण हो जायेगा।

3. निम्नलिखित गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: [4x2=8]

(क) मनुष्य की विचार और अनुभव की शक्ति इस स्थूल शरीर के ही सूक्ष्म गुण हैं, वैसे ही जैसे स्थूल पुष्प में सूक्ष्म सुगन्ध वास करती है, जैसे तेल और बत्ती के जलने की क्रिया का फल प्रकाश है। निर्वाण पश्चात दीपक का प्रकाश कहाँ जाता है? दीपक या सूर्य से पृथक होने पर प्रकाश का अस्तित्व कहाँ रह जाता है? देवी, इसी प्रकार जीवात्मा को जानों। जीव से पृथक आत्मा कहाँ है, उसका अस्तित्व कैसे सम्भव है?

(ख) कला केवल उपकरण मात्र है, कला जीवन के लिये और

इकाई–III

6. उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'दिव्या' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। [7]

7. दिव्या की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [7]

इकाई–IV

8. कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'अमृतसर आ गया है' कहानी की समीक्षा कीजिए। [7]

9. उषा प्रियंवदा की कहानी-कला पर प्रकाश डालिए। [7]

----- x -----

उसकी पूर्ति में ही है। जीवन से विरक्ति और जीवन के उपकरण से अनुराग का क्या अर्थ? ...किसी का जीवन अन्य की तृप्ति और जीवन की पूर्ति का साधन मात्र होकर रह जाए? वह जीवन सृष्टि में अपनी सार्थकता से सृष्टि में नारी के जीवन की मौलिक सार्थकता से वंचित रह जाय? जैसे सेवा के साधन दास का जीवन!.... भयंकर प्रवंचना।

इकाई-II

4. निम्नलिखित गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: [4x2=8]

(क) मैं उसके सुन्दर मुख को कला की दृष्टि से देख रहा था। कला की दृष्टि, ठीक तो बौद्ध कला, गान्धार कला, द्रविड़ों की कला इत्यादि नाम से भारतीय मूर्ति सौन्दर्य के अनेक विभाग जो हैं, जिससे गढ़न का अनुमान होता है। मेरे एकान्त जीवन को बिताने की सामग्री में इस तरह का जड़ सौन्दर्य-बोध भी एक स्थान रखता है। मेरा हृदय सजीव प्रेम से कभी अलुप्त नहीं हुआ था। मैं इस मूक सौन्दर्य से ही कभी-कभी अपना मनोविनोद कर लिया करता।

(ख) तीन वर्ष पूर्व कर्तार की महत्त्वाकांक्षा और कल्पना में अपने भविष्य के सम्बन्ध में दूसरे ही चित्र थे-अध्ययन और साहित्यिक जीवन के। वह साहित्यिक जीवन के। वह सहित्यिक चर्चा और व्यक्तियों की ओर आकर्षित रहता

था। अवेश उसका सहपाठी था और साहित्यिक क्षितिज पर प्रकट हो गया था। उसने नवोदित, देदीप्यमान नक्षत्र की भांति सहसा ध्यान आकर्षित कर लिया था और साहित्य के मध्याकाश की ओर विस्मयजनक द्रुत गति से उठता जा रहा था।

5. निम्नलिखित गद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए: [4x2=8]

(क) तुम अपने फूल के रूप, गंध और रस से संसार को सुन्दर बना देते हो परन्तु संसार से तुम पाते क्या हो, केवल मल! संसार में जो कुछ उपयोग से नष्ट हो जाता है, जो कुछ मनुष्य-पशु और पक्षी त्याग देते हैं, जो कुछ रोग का कारण बन जाता है, घृणित हो जाता है, असह्य हो जाता है, तुम उस हेय और हानिकारक को सहर्ष स्वीकार कर लेते हो। उसे घृणित को स्वीकार करने की वेदना से तुम्हारा शरीर काँटों से भर जाता है, तुम उससे भी खिन्न नहीं होते।

(ख) बैठे-बैठे ही नींद में मेरा सिर कभी एक ओर को लुढ़क जाता, कभी दूसरी ओर को। किसी-किसी वक्त झटके से मेरी नींद टूटती और मुझे सामने की सीट पर अस्त-व्यस्त से पड़े सरदार जी के खर्राटे सुनाई देते। अमृतसर पहुँचने के बाद सरदार जी फिर सामने वाली सीट पर टाँगें पसार कर लेट गये थे। डिब्बे में तरह-तरह की आड़ी तिरछी मुद्राओं में मुसाफिर पड़े थे। उनकी वीभत्स मुद्राओं को देख कर लगता, डिब्बा लाशों से भरा है।

Question Paper Code : 1137

बी.ए. (तृतीय वर्ष) परीक्षा, 2018

(रेगुलर)

हिन्दी

[प्रथम- प्रश्नपत्र]

(अद्यतन हिन्दी काव्य)

समयः- तीन घण्टे **पूर्णांक - 50**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं. 1 अनिवार्य** है, जो **20** अंकों का है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : [2×10=20]

   (क) अज्ञेय की चार काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

   (ख) 'अन्धा युग' कृति की विशेषताएं बताइये।

   (ग) मुक्तिबोध किस धारा के कवि हैं ? उनकी कविताओं पर किस प्रकार विचारधारा का प्रभाव है ?

(घ) दो प्रयोगवादी कवियों और उनकी एक-एक रचना का नाम लिखिए।

(ङ) 'गीत फरोश' कविता का भावार्थ लिखिए।

(च) दूसरे सप्तक के कवियों के नाम लिखिए।

(छ) साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ क्या हैं ?

(ज) प्रगतिशील धारा के चार कवियों के नाम बताइये।

(झ) शमशेर बहादुर सिंह की कविता 'बात बोलेगी' का अभिप्राय क्या है ?

(ञ) नागार्जुन को किस रचना पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ? वह रचना किस भाषा की है ?

इकाई-एक

2. निम्नलिखित पद्यावतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए : [4×2=8]

(क) मरूँगा तो चिता पर दो फूल देंगे डाल
समय चलता जाएगा निर्बाध अपनी चाल
सुनोगी तुम तो उठेगी हूक
मैं रहूँगा सामने (तसवीर में) पर मूक
सान्ध्य नभ में पश्चिमान्त-समान
लालिमा का जब करुण आख्यान
सुना करता हूँ, सुमुखि उस काल
याद आता तुम्हारा सिन्दूर-तिलकित भाल।

(ख) वासना डूबी
शिथिल पल में
स्नेह काजल में
लिये अद्‌भुत रूप-कोमलता
अब गिरा अब गिरा वह अटका हुआ आँसू
सान्ध्य तारक-सा
अतल में।

3. निम्नलिखित पद्यावतरणों में ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : [4×2=8]

(क) क्रांतियाँ, कम्यून,
कम्युनिस्ट समाज के
नाना कला विज्ञान और दर्शन के
जीवंत वैभव से समन्वित
व्यक्ति मैं।
मैं, जो वह हरेक हूँ
जो, तुझसे, ओ काल, परे है।

(ख) मैं सोते के साथ बहता हूँ,
पक्षी के साथ गाता हूँ,
वृक्षों के, कोंपलों के साथ थरथराता हूँ,
और उसी अदृश्य क्रम में, भीतर ही भीतर

इकाई-चार

8. मुक्तिबोध की कविता में अभिव्यक्त द्वन्द्व और संघर्ष का चित्रण कीजिए। [7]

9. धर्मवीर भारती की कविता में अभिव्यक्त मिथकीय संदर्भ और समकालीन संघर्ष का निरूपण कीजिए। [7]

----- x -----

झरे पत्तों के साथ गलता और जीर्ण होता रहता हूँ
नये प्राण पाता हूँ।

इकाई-दो

4. निम्नलिखित पद्यावतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : [4×2=8]

(क) मेरा सिर गरम है,
इसीलिए भरम है।
सपनों में चलता है आलोचन,
विचारों के चित्रों की अवलि में चिन्तन।
निजत्व-भाफ है बेचैन,
क्या करूँ, किससे कहूँ
कहाँ जाऊँ, दिल्ली या उज्जैन ?

(ख) ये भूखे नहीं पिआसे हैं !
वैसे ये अच्छे खासे हैं
है वाह वाह की प्यास इन्हें,
ये शूर कहे जायेंगे तब
और कुछ के मन भायेंगे तब
है चमड़े की अभिलाष इन्हें !

5. निम्नलिखित पद्यावतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : [4×2=8]

(क) अक्सर जब तुमने

माला गूँथने के लिए
कँटीले झाड़ों में चढ़-चढ़ कर मेरे लिए
श्वेत रतनारे करौंदे तोड़कर
मेरे आँचल में डाल दिये हैं
तो मैंने अत्यन्त सहज प्रीति से
गरदन झटका कर
वेणी झुलाते हुए कहा है :
'कनु ही मेरा एकमात्र अन्तरंग सखा है !'

(ख) धरती को कहीं से छुओ
एक ऋचा की प्रतीति होती है।
देवदारुओं की देह-यष्टि
क्या उपनिषदीय नहीं लगती ?
तुम्हें नहीं लगता कि
इन भोजपत्रों में
एक वैदिकता है

इकाई-तीन

6. अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [7]

7. 'नागार्जुन लोक जीवन के कवि हैं।' इस कथन का परीक्षण कीजिए। [7]

Question Paper Code : 1138

बी.ए. (भाग-3) परीक्षा, 2018

(रेगुलर)

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास
तथा काव्यांग परिचय)

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 50**

निर्देश : प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष **चार** इकाईयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न कीजिए। प्रश्नोत्तर में प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए।

1. निम्नांकित के लघु उत्तर लिखिए : [2x10=20]

   (क) पश्चिमी हिन्दी की बोलियों के नाम लिखिए।

   (ख) 'भोजपुरी' बोली का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

   (ग) तत्सम और तद्भव शब्द में अन्तर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

   (घ) कृष्ण भक्ति शाखा के चार कवियों का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) छायावादी कविता की चार प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए।

(च) द्विवेदी युग के दो कवियों और उनकी एक-एक काव्यकृति का नामोल्लेख कीजिए।

(छ) नई कविता की चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ज) सोरठा छंद का लक्षण सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(झ) काव्य के प्रमुख प्रयोजन लिखिए।

(ञ) शृंगार रस का सोदाहरण परिचय दीजिए।

इकाई-I

2. ब्रजभाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [7]

3. हिन्दी की शब्द-संपदा का परिचय दीजिए। [7]

इकाई-II

4. हिन्दी की सूफी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। [7]

5. रीतिकाल की प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए। [7]

इकाई-III

6. हिन्दी निबन्ध के विकास पर प्रकाश डालिए। [8]

7. प्रगतिवादी काव्यधारा की विशेषताओं का परिचय दीजिए। [8]

इकाई-IV

8. काव्य के स्वरूप की विवेचना कीजिए। [8]

9. यमक और श्लेष अलंकार की सोदाहरण परिभाषा देते हुए, उनके अंतर को स्पष्ट कीजिए। [8]

----- x -----

Question Paper Code : 1139

B.A. (Part-III) Examination, 2018

(Regular)

हिन्दी

[तृतीय प्रश्न-पत्र]

(आधुनिक ब्रजभाषा और अवधी काव्य)

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 50**

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। इसके अलावा, प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए: [2x10=20]

   (क) भारतेन्दु युग के चार ब्रजभाषा कवियों के नाम लिखिए।

   (ख) 'रत्नाकर' के ब्रजभाषा काव्य की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

   (ग) द्विवेदी युग के चार ब्रजभाषा काव्यकृतियों के नाम लिखिए।

   (घ) गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' के चार काव्य-ग्रन्थों के नाम लिखिए।

   (ङ) छन्दशती के 'घायल चाँदनी' शीर्षक के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(च) आधुनिक अवधी-साहित्य में किन कवियों को पंचरत्न कहा जाता है, नामोल्लेख कीजिए।

(छ) 'मनई' कविता का प्रतिपाद्य क्या है ?

(ज) 'सलीमा' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

(झ) 'अरे है बड़ी अजब लरिकई' कविता का काव्य-सौन्दर्य रेखांकित कीजिए।

(ञ) 'अमोला' में निहित भावों को इंगित कीजिए।

इकाई-।

2. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4+4=8]

(क) वह सुन्दर रूप बिलोकि सखी मन हाथ तें मेरे भग्यो सो भग्यो।
चित माधुरी मूरति देखत ही 'हरिचंद' जू जाय पग्यो सो पग्यो।
मोहिं औरन सों कछु काम नहीं अब तौ जो कलंक लग्यो सो लग्यो।
रंग दूसरो और चढ़ैगो नहीं अलि साँवरों रंग रँग्यो सो रँग्यो।।

(ख) आए हौ सिखावन कौं जोग मथुरा तैं तौपै
ऊधौ ये बियोग के बचन बतरावौ ना।
कहै रतनाकर दया करि दरस दीन्यौ

दुःख दरिबै कौं, तौपै अधिक बढ़ावौ ना।।
टूक-टूक ह्वै है मन-मुकुर हमारौ हाय
चूकि हूँ कठोर-बैन-पाहन चलावौ ना।
एक मनमोहन तौ बसिकै उजारयो मोहिं
हिय मैं अनेक मनमोहन बसावौ ना।।

3. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4+4=8]

(क) तजि लोक की लाज रहे हैं तऊ जग के अपवाद डरेई रहैं।
चित आवै न चेत अचेत-से हैं, अधरान पै आन धरेई रहैं।
तरकी नहीं जात वियोग-बिथा, बिन मीच ही हाय ! मेरई रहैं।
कहिये केहि सों, रहिये चुप हवै, दिल में दुःख दीह भरेई रहैं।।

(ख) तापन ते अनुतापन के तपि,
जोबन-बेलि हरी कुम्हिलैहै।
आनँद के नद सूखिहैं री,
सब पानिपु नैनन तैं ढ़रि जैहै।
बावरी ! आजु लौं आये नहीं,
अब आवन की घरी कौन धौं अैहै।
आस ही आस ते ह्वैहै कहा,
कहूँ ओस के चाटे पियास बुझैहै।।

इकाई–II

4. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4+4=8]

(क) जो सब धरमन का धारे हयि,
सब मा मिलि एकु रूपु द्याखयि,
वुहु क्यसन, महम्मद, ईसा, बुद्धा,
वहयि आयि सुन्दर मनई।

(ख) जहाँ बयारि लगावै बढ़नी जुगनू दिया दिखावैं
सुअर, सियार, चील्ह, गिलहरिया कूरा सैंति उठावैं
चिरई–कौवा का–का कहि–कहि जागि सोवावैं
उइ–उइ अथै–अथै के सविता दिनु औ राति बतावैं।
जहाँ बँदरवा डाका डारै चोरी करै बिलैयाँ।
हुवैं बनी है राम सहारे अपनी राम मड़ैया।।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [4+4=8]

(क) मूठि भरि छिरके दाना ई,
बिनि लाव पूत तुम बोरिया मा।
ना जानैं कबधौं जाय परें,
ई केहिकि भूखी झोरिया मा।
ई दानन के हित हाथु पसारैं,
दीन दुःखी धरि अजब भेसु।।

(ख) झुरहरि बालू मूठीं झरि झरि जाइ।
भिजए पसरे हाथे भरि भरि जाइ।।
चिंता अपने चितए जरि बरि जाइ।
अनचितए परफुलित रहइ अधिकाइ।।

इकाई–III

6. जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' के काव्य–सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। [7]

7. जगदीश गुप्त के शिल्पगत वैशिष्ट्य की सोदाहरण विवेचना कीजिए। [7]

इकाई–IV

8. ''पं. वंशीधर शुक्ल के अवधी काव्य में ग्रामीण परिवेश का वास्तविक चित्रण हुआ है।'' स्पष्ट कीजिए। [7]

9. त्रिलोचन शास्त्री की रचना 'अमोला' के भाव एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। [7]

----- x -----

Question Paper Code : 1140

बी.ए. (प्रथमवर्षम्) परीक्षा, 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

[प्रथम- प्रश्नपत्र]

(भारत सरकार की राजभाषा नीति)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 35**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न **सं. 1 अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए - [15]

   (क) राजभाषा के संदर्भ में 'क' क्षेत्र में आने वाले राज्यों का नामोल्लेख कीजिए।

   (ख) राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं ?

   (ग) राजभाषा अधिनियम, 1963 पर प्रकाश डालिए।

   (घ) राष्ट्रपति को राजभाषा आयोग की नियुक्ति का अधिकार किस अनुच्छेद के अनुसार दिया गया है ?

(ङ) मानक हिन्दी के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(च) संसदीय राजभाषा समिति का गठन किस प्रकार किया जाता है ?

(छ) संघ की राजभाषा नीति पर प्रकाश डालिए।

(ज) सामाजिक उपक्रमों में हिन्दी के प्रयोग पर प्रकाश डालिए।

(झ) 'ग' क्षेत्र में आने वाले राज्यों के नाम लिखिए।

(ञ) राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा में क्या भेद है ? स्पष्ट कीजिए।

इकाई-एक

2. राजभाषा हिन्दी के स्वरूप-विकास पर प्रकाश डालिए। [5]

3. हिन्दीकरण के संवैधानिक प्रावधानों की विवेचना कीजिए। [5]

इकाई-दो

4. राजभाषा अधिनियम, 1976 की विवेचना कीजिए। [5]

5. राजभाषा अधिनियम (संशोधित), 1967 पर प्रकाश डालिए। [5]

इकाई-तीन

6. 'त्रिभाषा फार्मूला' पर प्रकाश डालते हुए उसकी आवश्यकता की समीक्षा कीजिए। [5]

7. राजभाषा आयोग एवं संसदीय समिति के पारस्परिक सम्बन्ध को उद्घाटित करते हुए इनकी उपादेयता को रेखांकित कीजिए। [5]

इकाई-चार

8. हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार में प्रशिक्षण संस्थानों के योगदान का उल्लेख कीजिए। [5]

9. भारत सरकार की हिन्दी प्रयोग सम्बन्धी प्रोत्साहन योजनाओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। [5]

----- x -----

Question Paper Code : 1141

B.A. (Part-I) Examination, 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(हिन्दी का प्रायोगिक व्याकरण और वार्तालाप)

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 35**

निर्देशः कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रश्न संख्या-1 अनिवार्य** है। इसके अलावा, चारों इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिये : [15]

   (क) प्रयोजन मूलक हिन्दी का महत्त्व स्पष्ट कीजिये।

   (ख) 'ने' परसर्ग का प्रयोग किस कारक और किस काल में होता है ?

   (ग) विशेषण की परिभाषा लिखिए और उदाहरण भी दीजिये।

   (घ) उपसर्ग और प्रत्यय में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

   (ङ) कर्म, करण और अधिकरण-कारकों के परसर्गों का उल्लेख कीजिये।

(च) स्वस्थ्य, मत्सय और उज्जवल की सही वर्तनी लिखिये।

(छ) ऊष्म वर्णों का उल्लेख कीजिये।

(ज) स्वागत, प्रत्यावेदन और अनुकरण-शब्दों से उपसर्ग पृथक् कीजिये।

(झ) 'क्ष' 'त्र' और 'ज्ञ' में संयुक्त वर्णों को पृथक् रूप में लिखिये।

(ञ) अल्प विराम का प्रयोग सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

इकाई-I

2. हिन्दी और अंग्रेजी वाक्य-संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिये।[5]

3. हिन्दी की प्रकृति का विवेचन कीजिए और हिन्दी भाषी राज्यों का उल्लेख कीजिये। [5]

इकाई-II

4. ध्वनि विज्ञान के स्वरूप पर प्रकाश डालिये। [5]

5. हिन्दी वर्णमाला के अल्पप्राण और महाप्राण व्यंजनों को वर्गीकृत कीजिये। [5]

इकाई-III

6. क्रिया की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का विवेचन कीजिये।[5]

7. हिन्दी में प्रयुक्त होने वाले परसर्गों को उनके कारकों के साथ लिखिये। [5]

इकाई-IV

8. देवनागरी लिपि की विशेषताओं को सोदाहरण रेखांकित कीजिये।[5]

9. भाषा-प्रयोग में विराम चिह्नों का महत्त्व स्पष्ट करते हुए प्रमुख विराम चिह्नों को अंकित कीजिये। [5]

-----x-----

Question Paper Code : 1142

बी.ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा, 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

समय - तीन घण्टे **पूर्णांक : 35**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है तथा शेष इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : [15]

   (क) शासनादेश किसे कहते हैं ?

   (ख) कार्यालय आदेश किसे कहते हैं ?

   (ग) कार्यालय ज्ञाप का उदाहरण दीजिए।

   (घ) अधिसूचना क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

   (ङ) 'रपट' का आशय स्पष्ट कीजिए।

   (च) 'प्रारूपण' से आप क्या समझते हैं ?

(छ) 'प्रेस विज्ञप्ति' को स्पष्ट कीजिए।

(ज) 'निविदा' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(झ) 'द्रुत-पत्र' किसे कहते हैं ?

(ञ) 'विज्ञापन' की आवश्यकता समझाइए।

इकाई-एक

2. पत्र का आशय स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों की विवेचना कीजिए। [5]

3. सरकारी-पत्र व्यक्तिगत-पत्र से किस प्रकार भिन्न होते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [5]

इकाई-दो

4. अन्तर्विभागीय टिप्पणी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। [5]

5. पृष्ठांकन क्या है ? इसकी आवश्यकता क्यों पड़ती है ? [5]

इकाई-तीन

6. व्यावसायिक पत्र लेखन-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [5]

7. बैंकिंग कार्यवाही को प्रभावशाली बनाने के प्रमुख बिन्दुओं की विवेचना कीजिए। [5]

इकाई-चार

8. विज्ञापन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। मुद्रित और टी.वी. पर दिखाए जाने वाले विज्ञापन किस प्रकार भिन्न होते हैं ? [5]

9. क्या विज्ञापन आधुनिक जीवन-शैली बदल रहे हैं ? सतर्क स्पष्ट कीजिए। [5]

----- x -----

Question Paper Code : 1143

बी.ए. (द्वितीय वर्ष) परीक्षा , 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 35**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है तथा शेष चार इकाइयों में से प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : [15]

   (क) आलेखन के प्रमुख अंग बताइए।

   (ख) अच्छी टिप्पणी की विशेषताएँ लिखिए।

   (ग) प्रकरण-निर्माण का आशय स्पष्ट कीजिए।

   (घ) फाइल पद्धति का महत्त्व बताइए।

   (ङ) अभिलेख किसे कहते हैं ?

   (च) पूरक-पत्र से क्या अभिप्राय है ?

(छ) टिप्पणी की भाषा शैली को स्पष्ट कीजिए।

(ज) टिप्पणी के प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए।

(झ) सन्दर्भ-पत्रिका का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ञ) पूरक-पत्र की आवश्यकता को रेखांकित कीजिए।

इकाई-एक

2. टिप्पणी लेखन के महत्त्व एवं उसकी आवश्यकता का विवेचन कीजिए। [5]

3. सरकारी कार्यालयों में लिखी जाने वाली टिप्पणियों की भाषा-शैली को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [5]

इकाई-दो

4. आलेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए एक अच्छे आलेखन का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए। [5]

5. आलेखन का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए उसके विविध प्रकारों का उल्लेख कीजिए। [5]

इकाई-तीन

6. संदर्भ पत्रिकाओं के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। [5]

7. फाइल पद्धति पर प्रकाश डालते हुए उसकी आवश्यकता का उल्लेख कीजिए। [5]

इकाई-चार

8. सरकारी कार्यालयों में अभिलेखों की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए। [5]

9. पूरक-पत्रों की पद्धति का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए। [5]

----- x -----

Question Paper Code : 1144

B.A. (Part-III) Examination, 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

[प्रश्नपत्र प्रथम]

(अनुवाद, दुभाषिया प्रविधि, पारिभाषिक शब्दावली)

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 35**

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम **प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए : [15]

   (क) अनुवाद का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

   (ख) लक्ष्य भाषा से क्या तात्पर्य है ?

   (ग) आशु अनुवाद किसे कहते हैं ?

   (घ) दुभाषिए से क्या तात्पर्य है ?

   (ङ) दुभाषिए में अपेक्षित गुणों का उल्लेख कीजिए।

   (च) पारिभाषिक शब्दावली का आशय स्पष्ट कीजिए।

(छ) राजभाषा अधिनियम को स्पष्ट कीजिए।

(ज) पारिभाषिक शब्दावली निर्माण सम्बन्धी विभिन्न सिद्धान्तों का नामोल्लेख कीजिए।

(झ) संक्षेपण किसे कहते हैं ?

(ञ) संपादक के प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिए।

इकाई-एक

2. अनुवाद को परिभाषित करते हुए उसकी प्रक्रिया के विविध सोपानों की विवेचना कीजिए। [5]

3. अनुवाद के प्रमुख प्रकारों को स्पष्ट कीजिए। [5]

इकाई-दो

4. दुभाषिया किसे कहते हैं ? वर्तमान समय में उसकी आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालिए। [5]

5. सफल आशु अनुवादक में कौन-कौन से गुण अपेक्षित हैं ? स्पष्ट कीजिए। [5]

इकाई-तीन

6. पारिभाषिक शब्दावली का अर्थ स्पष्ट करते हुए विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [5]

7. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। [5]

इकाई-चार

8. संक्षेपण से क्या तात्पर्य है ? आदर्श संक्षेपण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [5]

9. संपादन की प्रक्रिया के अन्तर्गत वे कौन से कार्य हैं जो संपादक को करने होते हैं ? स्पष्ट कीजिए। [5]

----- x -----

Question Paper Code : 1145

B.A. (Part-III) Examination, 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

[प्रश्नपत्र द्वितीय]

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 35**

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अलावा, प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त में दीजिए : [15]

   (क) संचार माध्यम के लक्ष्य को स्पष्ट कीजिए।

   (ख) 'इन्टरनेट' की उपादेयता को समझाइए।

   (ग) 'प्रेस विज्ञप्ति' के प्रारूप को स्पष्ट कीजिए।

   (घ) 'बालाबोधनी' पत्रिका के सम्पादक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

   (ङ) 'शैक्षणिक टेलीविजन' का उद्देश्य क्या है ?

   (च) रेडियो समाचार के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

   (छ) प्रूफ संशोधन के महत्व को समझाइए।

   (ज) आमुख किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

   (झ) 'संक्षिप्तीकरण' का आशय समझाइए।

   (ञ) 'कादम्बिनी' पत्रिका के स्तंभों के नाम लिखिए।

इकाई-I

2. जनसंचार के अर्थ एवं परिभाषा को स्पष्ट कीजिए। [5]

3. संचार की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी उपादेयता पर प्रकाश डालिए। [5]

इकाई-II

4. भारत में रेडियो के प्रकार को स्पष्ट कीजिए। [5]

5. 'टेलीविजन जनसंचार का सबसे सशक्त माध्यम है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। [5]

इकाई-III

6. भारत में प्रिंट मीडिया की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। [5]

7. पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप की विवेचना कीजिए। [5]

इकाई-IV

8. टेलीविजन समाचार लेखन प्रविधि को समझाइए। [5]

9. रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के नाम लिखते हुए किन्हीं दो कार्यक्रमों की समीक्षा कीजिए। [5]

----- x -----

Question Paper Code : 1145

B.A. (Part-III) Examination, 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

[प्रश्नपत्र द्वितीय]

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णांक : 35**

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अलावा, प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न किया जाना है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त में दीजिए : [15]

   (क) संचार माध्यम के लक्ष्य को स्पष्ट कीजिए।

   (ख) 'इन्टरनेट' की उपादेयता को समझाइए।

   (ग) 'प्रेस विज्ञप्ति' के प्रारूप को स्पष्ट कीजिए।

   (घ) 'बालाबोधनी' पत्रिका के सम्पादक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

   (ङ) 'शैक्षणिक टेलीविजन' का उद्देश्य क्या है ?

   (च) रेडियो समाचार के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

   (छ) प्रूफ संशोधन के महत्व को समझाइए।

   (ज) आमुख किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

   (झ) 'संक्षिप्तीकरण' का आशय समझाइए।

   (ञ) 'कादम्बिनी' पत्रिका के स्तंभों के नाम लिखिए।

इकाई-I

2. जनसंचार के अर्थ एवं परिभाषा को स्पष्ट कीजिए। [5]

3. संचार की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी उपादेयता पर प्रकाश डालिए। [5]

इकाई-II

4. भारत में रेडियो के प्रकार को स्पष्ट कीजिए। [5]

5. 'टेलीविजन जनसंचार का सबसे सशक्त माध्यम है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। [5]

इकाई-III

6. भारत में प्रिंट मीडिया की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। [5]

7. पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप की विवेचना कीजिए। [5]

इकाई-IV

8. टेलीविजन समाचार लेखन प्रविधि को समझाइए। [5]

9. रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के नाम लिखते हुए किन्हीं दो कार्यक्रमों की समीक्षा कीजिए। [5]

----- x -----

Question Paper Code : 1146

B.A. (Part-III) Examination, 2018

प्रयोजनमूलक हिन्दी

तृतीय प्रश्न-पत्र

(कम्प्यूटर, टंकण, आशुलेखन)

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 35**

निर्देशः कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रश्न संख्या-1 अनिवार्य** है। इसके अलावा, चारों इकाइयों में से प्रत्येक से **एक-एक** प्रश्न करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिये : [15]

   (क) कम्प्यूटर मेमोरी कितने प्रकार की होती है, नामोल्लेख कीजिये।

   (ख) डी.टी.पी. से क्या तात्पर्य है ?

   (ग) टंकणयन्त्र को 'टाइपोग्राफर' नाम किसने दिया था ?

   (घ) टंकणयन्त्र में 'शिफ्ट की' का क्या कार्य है ?

   (ङ) हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद के लिए प्रसिद्ध दो साफ्टवेयरों के नाम लिखिए।

(च) आशुलेखन किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिये।

(छ) कम्प्यूटर के किसी एक बाह्य प्रभाग (हार्डवेयर) के उपयोग का उल्लेख कीजिये।

(ज) 'टेलीकान्फ्रेंसिग' से आप क्या समझते हैं ?

(झ) 'ट्विटर' की क्या विशेषता है ?

(ञ) एस.एम.एस.और एम.एम. एस. में अन्तर बताते हुए दोनों का पूर्णरूप लिखिये।

इकाई–I

2. टंकणयन्त्र के इतिहास का विवेचन करते हुए इलेक्ट्रॉनिक टंकणयन्त्र का परिचय दीजिये। [5]

3. एक श्रेष्ठ टंकक के गुणों पर प्रकाश डालिये। [5]

इकाई–II

4. फ्लोचार्ट क्या है ? फ्लोचार्ट में प्रयुक्त चिह्नों को उदाहरण देकर समझाइये। [5]

5. कम्प्यूटर के प्रयोग एवं महत्त्व का उल्लेख कीजिये। [5]

इकाई–III

6. 'आशुलिपि' की लोकप्रियता और उपादेयता पर प्रकाश डालिए।[5]

7. 'आशुलेखन' की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। [5]

इकाई–IV

8. 'टेलेक्स' और 'टेलीप्रिन्टर' में क्या सम्बन्ध है ? टेलीप्रिन्टर के कार्यक्षेत्र पर प्रकाश डालिए। [5]

9. फैक्स (FAX) का पूर्ण रूप लिखते हुए इसके महत्त्व एवं कार्य-पद्धति की विवेचना कीजिये। [5]

----- x -----